

जैविक खेती के वर्तमान स्वरूप का मूल्यांकन (शस्य, उद्यानिकी एवं अन्य फसलें)



डॉ. नरेन्द्र कुमार सांखला
भूगोल विभाग,
पोस्ट – डोक्टोरल फैलो (ICSSR),
राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर, भारत

सारांश – खरीफ दलहनों की भांति रबी दलहन फसलें भी मुख्य रूप से बारानी क्षेत्रों में बोई जाती हैं। चने का करीब 15-20 प्रतिशत क्षेत्र ही सिंचित है। इसलिए चने का अच्छा उत्पादन सर्दी की वर्षा (मावठ) पर निर्भर है। रबी तिलहनों में मुख्य रूप से सरसों की खेती की जाती है राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय बाजार में जैविक उत्पादों की मांग आदि बिन्दुओं के मद्देनर कृषि विभाग द्वारा जैविक खेती को बढ़ावा देने हेतु जैविक खेती कार्यक्रम लिया गया। आज भी 20 प्रतिशत किसान होर्टीकल्चर, 20 प्रतिशत स्पाइस, 63 प्रतिशत तिलहन 54 प्रतिशत दलहन एवं 92 प्रतिशत अनाज की फसलें ले रहे हैं। अनेक प्रकार की फसलों की खेती करने वाले कृषक आसानी से ओर्गेनिक खेती अपनाने में सफल होंगे। 46 प्रतिशत से अधिक किसानों ने रसायनों की लागत में बढ़ोतरी, तकनीकी ज्ञान का अभाव, उपज का उचित दाम न मिलना तथा खेती के सभी आदानों की लागत में बढ़ोतरी को महत्वपूर्ण समस्या माना है। 38 प्रतिशत से अधिक किसानों द्वारा कुशल मजदूरों की कमी, सही सूचना का अभाव एवं फसलों की गुणवत्ता में कमी को समस्या माना गया है। यह हमारे लिये बहुत महत्वपूर्ण है कि एक नया कार्यक्रम अब पर्णतया लाभ लेने वालों की इच्छा और आवश्यकता के अनुसार प्रारम्भ किया जा सकेगा। इनमें से करीब 20 प्रतिशत गत 5 वर्षों से रसायनिक उर्वरक काम में ले रहे हैं तो करीब इतने ही लोग इसे 20 वर्षों से इस्तेमाल कर रहे हैं।
मुख्यशब्द– जैविक, खेती, वर्तमान, स्वरूप, मूल्यांकन, खरीफ, दलहन, राजस्थान।

राजस्थान में कृषि – क्षेत्रफल की दृष्टि से राजस्थान देश का सबसे बड़ा राज्य है। राज्य का कुल भौगोलिक क्षेत्रफल 3 करोड़ 42 लाख हैक्टर है, जिसमें सकल एवं शुद्ध कृषिमय क्षेत्र लगभग क्रमशः 60 प्रतिशत एवं 50 प्रतिशत है। राज्य का मुख्य व्यवसाय कृषि है। राज्य में खरीफ फसल उत्पादन मुख्यतः वर्षा पर निर्भर करता है। राज्य का उत्तरी-पश्चिमी भाग जो कुल क्षेत्रफल का लगभग 61 प्रतिशत है, मरुस्थलीय या अर्द्ध-मरुस्थलीय है और वर्षा पर निर्भर है। राज्य का दक्षिणी-पूर्वी क्षेत्र, जो कुल क्षेत्रफल का लगभग 39 प्रतिशत है, उपजाऊ है। इस क्षेत्र की मिट्टी काली या बलुई दोमट है। राज्य को जलवायु के आधार पर निम्न प्रकार से 10 जलवायु क्षेत्रों में बांटा हुआ है :

क्र. सं.	जलवायुविक क्षेत्र	विवरण
1.	शुष्क मैदानी पश्चिमी क्षेत्र (IA)	इस जोन में जिला बाड़मेर एवं जोधपुर जिले का कुछ हिस्सा सम्मिलित है। इस क्षेत्र की औसत वर्षा 200-370 मिलीमीटर है।
2.	सिंचित मैदानी उत्तरी पश्चिमी क्षेत्र (IB)	इस जोन में श्रीगंगानगर एवं हनुमानगढ़ जिले आते हैं। इस क्षेत्र की औसत वर्षा 100-350 मिलीमीटर है।
3.	अति शुष्क मैदानी पश्चिमी क्षेत्र (IC)	इस जोन में जिला जैसलमेर, बीकानेर एवं चूरु जिले का भाग आता है। इस क्षेत्र की औसत वर्षा 100-350 मिलीमीटर है।
4.	अन्तः स्थलीय जलोत्सरण के अर्न्तवर्ती मैदानी क्षेत्र (IIA)	इस जोन में जिला नागौर, सीकर, झुंझुनू एवं चूरु जिले का कुछ भाग है तथा औसत वर्षा 300-500 मिलीमीटर है।
5.	लूनी नदी का अर्न्तवर्ती मैदानी क्षेत्र (IIB)	इस जोन में जालौर, पाली एवं सिरोही तथा जोधपुर जिलों का भाग सम्मिलित है तथा औसत वर्षा 300-500 मिलीमीटर है।
6.	अर्द्ध शुष्क पूर्वी मैदानी क्षेत्र (IIIA)	इस जोन में जयपुर, अजमेर, दौसा एवं टोंक जिले आते हैं। इस क्षेत्र की औसत वर्षा 500-700 मिलीमीटर है।
7.	बाढ़ सम्भाव्य पूर्वी मैदानी (IIIB) क्षेत्र	इस जोन में अलवर, भरतपुर, धौलपुर, करौली एवं सवाईमाधोपुर जिले का कुछ भाग है। इस क्षेत्र की औसत वर्षा 500-700 मिलीमीटर है।
8.	अर्द्ध आर्द्र दक्षिणी मैदानी क्षेत्र एवं अरावली पहाड़ी क्षेत्र (IVA)	इस जोन में जिला भीलवाड़ा, राजसमन्द, चित्तौडगढ़ तथा उदयपुर एवं सिरोही जिले का कुछ भाग सम्मिलित है। इस क्षेत्र की औसत वर्षा 500-900 मिली मीटर है।
9.	आर्द्र दक्षिणी मैदानी क्षेत्र (IVB)	इस जोन में जिला बांसवाड़ा, डूंगरपुर, प्रतापगढ़ एवं उदयपुर जिले का कुछ भाग सम्मिलित है। क्षेत्र की औसत वर्षा 500-1100 मिलीमीटर है।
10.	आर्द्र दक्षिणी-पूर्वी मैदान क्षेत्र (V)	इस जोन में कोटा, झालावाड़, बून्दी, बारां एवं सवाईमाधोपुर जिले का कुछ भाग है। इस क्षेत्र की औसत वर्षा 650-1000 मिलीमीटर है।

मौसम

राजस्थान राज्य में कृषि मानसून पर निर्भर है। खरीफ फसलों का उत्पादन एवं उत्पादकता केवल वर्षा की मात्रा पर ही निर्भर नहीं करती अपितु यह वर्षा के उपयुक्त समयान्तराल में उचित वितरण, पर्याप्तता तथा तीव्रता पर भी निर्भर करती है। राज्य में मानसून के प्रवेश की सामान्य तिथि 16 जून है, जबकि मानसून का प्रवेश राज्य में 13 जून 2013 को दक्षिण-पूर्वी राजस्थान से हुआ तथा 16 जून 2013 तक सम्पूर्ण जिलों में मानसून पहुंच गया था। राज्य में माह जून 2013 में औसत सामान्य वर्षा 44.10 मिलीमीटर की तुलना में केवल 61.30 मिलीलीटर दर्ज हुई है। माह जुलाई 2013 में औसत सामान्य वर्षा 156.8 मिलीमीटर की तुलना में 200.7 मिलीलीटर दर्ज हुई है। अगस्त 2013 में सामान्यत औसत वर्षा 150.90 मिलीमीटर की तुलना में 200.30 मिलीमीटर दर्ज की गई। सितम्बर 2013 में सामान्यत औसत वर्षा 66.90 मिलीमीटर की तुलना में 73.00 मिलीमीटर दर्ज हुई है।

राज्य में दिनांक 01.06.2013 से 30.09.2013 तक सामान्य वर्षा 418.70 मिलीलीटर की तुलना में 535.30 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई जोकि इस अवधि में सामान्य वर्षा से 27.84 प्रतिशत अधिक है। 2005-06 से 2013-14 तक के वर्षा से तुलनात्मक आंकड़े नीचे दर्शाये गए हैं :

वर्षा (मिलीमीटर)									
माह	औसत वर्षा	2005-2006	2006-2007	2007-2008	2008-2009	2009-2010	2010-2011	2011-2012	2012-2013
जून	44.1	64.5	84.2	74.8	124.5	38.6	34.5	126.3	10.2
जुलाई	156.8	237.2	190.4	201.9	138.6	181.6	184.8	162.6	98.0
अगस्त	150.9	64.3	290.0	147.1	162.2	121.5	249.5	257.7	250.0
सितम्बर	66.9	165.2	82.1	81.3	90.3	43.3	133.9	151.2	107.2
अक्टूबर	10.5	0.0	7.5	0.1	4.2	18.6	1.2	1.5	1.0
नवम्बर	4.8	2.4	0.6	0.0	3.1	8.4	63.4	0.2	0
दिसम्बर	2.4	0.0	1.2	1.6	2.5	1.9	6.1	0	0.9
जनवरी	4.4	0.0	0.4	0.4	0.0	17.7	0	1.3	-
फरवरी	4.6	0.0	31.7	0.0	1.7	1.7	11.7	0	-
मार्च	3.6	17.4	15.6	0.7	0.1	0.8	0.5	0	-
अप्रैल	3.6	0.9	6.2	14.0	1.8	1.4	2.0	7.2	-
मई	10.9	15.9	7.2	33.8	5.9	1.1	9.1	12.0	-
योग :	463.6	569.5	718.7	557.2	511.8	436.6	696.6	720.0	467.30

नोट: वर्ष 2005-06 से 2011-12 तक वर्षा के आंकड़े राजस्व गण्डल, अजमेर एवं वर्ष 2012-13 के मौसम विभाग के हैं।

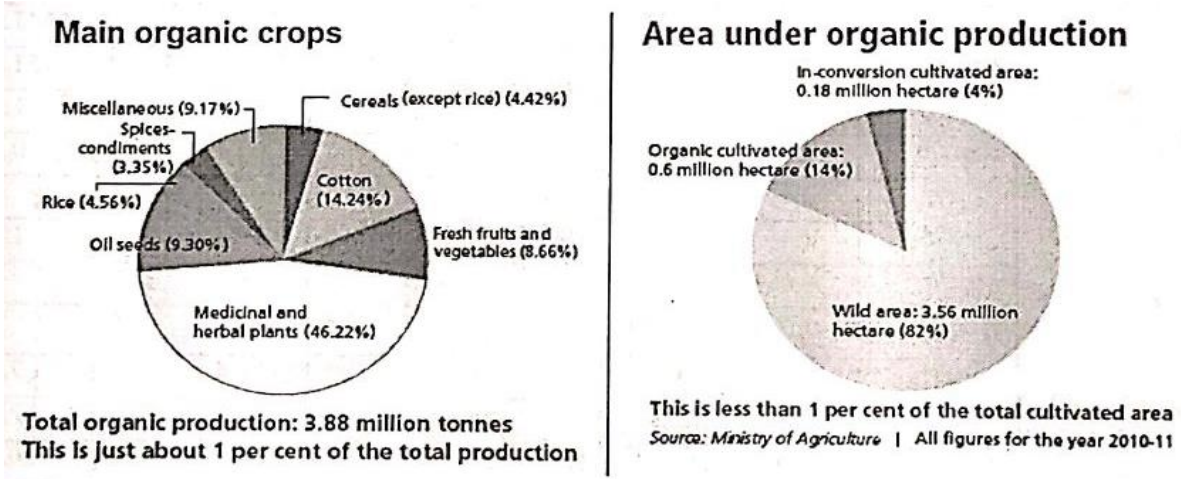
भूमि उपयोग

राज्य में भूमि उपयोग का तुलनात्मक विवरण निम्न प्रकार है :

क्रं.सं.	विवरण	प्रथम योजना	नवी योजना	2005-2006	2007-2008	2008-2009	2009-2010
1.	भौगोलिक क्षेत्रफल [ग्राम पत्रानुसार]	342	342	342	342	342	342
2.	जंगल	14	25	27	27	27	27
3.	कृषि अयोग्य क्षेत्रफल	76	43	43	43	43	43
4.	जोत रहित भूमि [पड़त भूमि छोड़कर]	89	67	63	63	61	62
5.	पड़त भूमि	57	45	45	39	37	41
6.	वास्तविक बोया गया क्षेत्रफल	106	162	168	171	176	170
7.	सकल बोया गया क्षेत्रफल	113	206	217	222	228	217
8.	दुपज क्षेत्रफल	7	44	49	51	52	47
9.	फसलीय सघनता प्रतिशत	107	127	129	130	130	128

आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग द्वारा प्रकाशित कृषि सांख्यिकी पुस्तिका पर आधारित है।

उपर्युक्त तालिका को देखने से ज्ञात होता है कि प्रथम योजना से अब तक की अवधि के दौरान राज्य में वास्तविक बोए जाने वाले क्षेत्र में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है वास्तविक बोया जाने वाला क्षेत्रफल प्रथम योजना में 106 लाख हैक्टर था, वह बढ़कर वर्ष 2010-11 में 183.00 लाख हैक्टर के सर्वोच्च स्तर पर पहुंच गया। दुपज क्षेत्रफल भी प्रथम योजना में मात्र 7.00 लाख हैक्टर था, वह भी बढ़कर वर्ष 2010-11 में 76.00 लाख हैक्टर हो गया। इसी प्रकार फसलीय सघनता भी प्रथम योजना में 107 प्रतिशत से बढ़कर वर्ष 2010-11 में 142 प्रतिशत के स्तर पर आ गई।



क्षेत्रफल एवं उत्पादन

अ- खरीफ : राज्य में खरीफ की फसलें सामान्यतया 130 से 145 लाख हैक्टर क्षेत्र में बोई जाती हैं। इनमें से 60 से 65 प्रतिशत खाद्यान्न, 10 से 15 प्रतिशत तिलहन, 3 प्रतिशत कपास एवं गन्ना तथा शेष 20 से 25 प्रतिशत क्षेत्र में अन्य फसलें बोई जाती हैं। खरीफ में मुख्यतः ज्वार, बाजरा, मक्का, मोठ, मूंग, उड़द, चौला, तिल, मूंगफली, सोयाबीन, कपास एवं ग्वार की खेती की जाती है। नवी योजना अवधि से वर्ष 2013-14 तक खरीफ फसलों का उत्पादन निम्न प्रकार रहा है:

योजना अवधि	उत्पादन (लाख टन/गाँठों में)					
	अनाज	दलहन	खाद्यान्न	तिलहन	कपास	ग्वार
नवी योजना (औसत उत्पादन)	38.34	3.94	42.28	10.50	7.62	5.18
2003-04	94.30	15.11	109.41	12.54	7.09	11.63
2004-05	46.95	5.01	51.96	15.90	7.65	3.38
2005-06	36.00	3.59	39.59	15.16	8.80	5.93
2006-07	51.00	5.51	56.51	13.61	7.47	6.58
2007-08	68.67	9.50	78.17	18.65	8.62	12.44
2008-09	67.03	8.17	75.20	16.94	7.26	12.61
2009-10	35.36	1.33	36.69	14.81	9.03	2.01
2010-11	89.62	16.03	105.65	22.70	8.57	15.41
2011-12	86.22	13.14	99.35	27.87	17.31	18.48
2012-13	63.36	6.37	69.73	25.48	15.28	20.23
2013-14*	57.07	8.25	65.32	20.26	9.30	22.01

* राजस्व मण्डल, अजमेर से प्राप्त द्वितीय अग्रिम अनुमान पर आधारित है।

राज्य में खरीफ के अन्तर्गत 90% क्षेत्र में बारानी फसलें बोई जाती हैं, जो पूर्णतः वर्षा पर निर्भर हैं। यदि राज्य में मानसून का आगमन समय पर एवं सामान्य होता है, तो अच्छी पैदावार प्राप्त होती है। फिर भी विभागीय प्रयासों, उन्नत किस्म के बीजों, उर्वरकों के उपयोग, पौध संरक्षण उपायों एवं कृषि की नवीन तकनीकी के उपयोग से राज्य में उत्पादन में निरन्तर वृद्धि हो रही है।

गत वर्ष की तुलना में 2013-14 में विभिन्न खरीफ फसलों के अन्तर्गत क्षेत्रफल एवं उत्पादन का विभागीय अनुमान लक्ष्यों की तुलना में निम्न प्रकार है:

फसलें	क्षेत्रफल-लाख हैक्टर		उत्पादन-लाख टन	
	2012-13 वास्तविक	2013-14*	2012-13 वास्तविक	2013-14*
अनाज	57.52	60.89	63.36	57.07
दलहन	19.56	22.19	06.37	8.25
खाद्यान्न	77.08	83.08	69.73	65.32
तिलहन	20.76	21.79	25.48	20.26
गन्ना	0.06	0.05	4.02	2.92
कपास	5.23	3.93	15.28	9.30
ग्वार	45.26	49.24	20.23	22.01
अन्य	3.73	3.69		
कुल बोया गया क्षेत्र	152.12	161.79		

* राजस्व मण्डल, अजमेर से प्राप्त द्वितीय अग्रिम अनुमान पर आधारित है।

ब- रबी :

राज्य में रबी फसलों की बुवाई सामान्यता 70 से 80 लाख हैक्टर क्षेत्र में की जाती है, जिसमें लगभग 60-65 लाख हैक्टर क्षेत्र सिंचित है। रबी मौसम में मुख्यतः गेहूँ, जौ, चना, राई-सरसों, धनियाँ, जीरा एवं मेथी की बुवाई की जाती है। नवीं योजना से वर्ष 2013-14 तक रबी फसलों का उत्पादन निम्न प्रकार रहा है :

योजना अवधि	उत्पादन (लाख टन)			
	अनाज	दलहन	खाद्यान्न	तिलहन
नवीं योजना (औसत उत्पादन)	68.80	12.31	81.11	20.87
2003-04	62.85	7.71	70.56	27.42
2004-05	61.23	8.43	69.66	39.72
2005-06	63.23	5.41	68.64	44.19
2006-07	83.48	9.29	92.77	38.07
2007-08	76.64	6.03	82.67	23.63
2008-09	81.65	10.09	91.74	35.07
2009-10	81.21	5.69	86.90	29.55
2010-11	113.59	16.49	130.08	43.72
2011-12	109.50	10.39	119.89	29.78
2012-13	117.25	13.20	130.45	38.16
2013-14*	113.03	14.70	127.73	38.64

* राजस्व मण्डल, अजमेर से प्राप्त प्रथम अग्रिम अनुमान पर आधारित है।

खरीफ दलहनों की भांति रबी दलहन फसलें भी मुख्य रूप से बारानी क्षेत्रों में बोई जाती हैं। चने का करीब 15-20 प्रतिशत क्षेत्र ही सिंचित है। इसलिए चने का अच्छा उत्पादन सर्दी की वर्षा (मावठ) पर निर्भर है। रबी तिलहनों में मुख्य रूप से सरसों की खेती की जाती

है राज्य में सरसों की वर्ष 2000-01 में औसत उपज 929 किलोग्राम प्रति हैक्टर थी, जो वर्ष 2010-11 में 1,560 किलोग्राम प्रति हैक्टर हो गई है राष्ट्रीय स्तर पर सरसों के उत्पादन में राज्य का प्रमुख स्थान है। वर्ष 2013-14 में विभिन्न रबी फसलों के क्षेत्रफल एवं उत्पादन का अनुमान निम्न प्रकार हैं:

फसलें	क्षेत्रफल—लाख हैक्टर		उत्पादन—लाख टन	
	2012-13 वास्तविक	2013-14*	2012-13 वास्तविक	2013-14*
अनाज	33.71	34.09	117.25	113.03
दलहन	12.90	17.97	13.20	14.70
खाद्यान्न	46.61	52.06	130.45	127.73
तिलहन	28.36	30.50	38.16	38.64
अन्य	11.82	11.54	-	-
कुल बोया गया क्षेत्र	86.79	94.11	-	-

* राजस्व मण्डल, अजमेर से प्राप्त प्रथम अग्रिम अनुमान पर आधारित है।

जैविक खेती कार्यक्रम

जैविक उत्पादन एवं उत्पादकता को दीर्घकालीन एवं टिकाऊ बनाने, मृदा की जैविक गुणवत्ता बनाए रखने, पर्यावरण प्रदूषण रोकने, वर्तमान कृषि में उर्वरक, खरपतवारनाशी व कीटनाशी के अधिक प्रयोग से होने वाले दुष्परिणाम से बचाने, प्राकृतिक संसाधनों का कुशलतम उपयोग, रसायन मुक्त जैव उत्पादन प्राप्त करने एवं उत्पाद की गुणवत्ता में सुधार लाने के लिए जैविक खेती को कृषि विभाग द्वारा प्रोत्साहित किया जा रहा है। राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय बाजार में जैविक उत्पादों की मांग आदि बिन्दुओं के मद्देनर कृषि विभाग द्वारा जैविक खेती को बढ़ावा देने हेतु जैविक खेती कार्यक्रम लिया गया। वर्ष 2009-10 से फार्मस फील्ड स्कूल आधारित जैविक खेती प्रदर्शन एवं जैविक खेती प्रोत्साहन कार्यक्रम लिये जा रहे हैं।

RESEARCH AND TRAINING PROGRAMME IN
ORGANIC FOOD MARKETING-2001

TABLE-1

DEMOGRAPHIC PROFILE OF PARTICIPANTS (FARMERS) DURING
RESEARCH AND TRAINING WORKSHOPS

(1 Bigha=0.16 Hectare)

S. No.	Districts	Number of Farmers Covered	Average Family Size in Numbers	Average Land Holding in Bigha	Average No. of Animals
1	Udaipur	44	4.5	20.6	7.5
2	Rajsamand	26	7.0	21.4	10.0
3	Chittorgarh	28	5.7	8.0	5.8
4	Jhunjhunu	71	8.8	20.7	5.7
5	Sikar	44	8.0	26.5	3.5
6	Churu	24	8.6	48.0	4.5
7	Alwar	76	8.2	10.8	5.0
8	Bharatpur	33	8.6	25.0	4.3
9	Sirohi	63	6.0	10.0	6.0
10	Jalore	42	8.8	43.8	6.5
11	Pali	29	6.5	32.6	5.8
12	Kota	121	5.8	26.0	7.2
13	Jhalawarh	79	8.5	17.2	8.1
14	Baran	51	7.0	27.0	7.4
15	Sawaimodhpur	48	7.0	11.1	3.1
	TOTAL	779	7.4	23.2	6.0

इस टेबल से यह स्पष्ट है कि इस अध्ययन में शामिल किये गये किसान किसी एक विशेष वर्ग के नहीं हैं। अतः इस अध्ययन से प्राप्त सूचना करीब-करीब समान रूप से सभी जगहों के लिये सही मानी जा सकती है।

RESEARCH AND TRAINING PROGRAMME IN
ORGANIC FOOD MARKETING-2001

TABLE-2

INCOME PROFILE OF PARTICIPANTS (FARMERS) DURING RESEARCH
AND TRAINING WORKSHOPS

(In Rs.)

S. No.	Districts	Average Annual Income from Agriculture	Average Annual Income from Animal Husbandry	Average Annual Income from Agro-Forestry, Horticulture	Average Annual Income from Other Source
1	Udaipur	24191	5916	5000	6333
2	Rajsamand	8611	4500	6630	20000
3	Chittorgarh	14000	4400	7000	15000
4	Jhunjhunu	28662	13271	4416	17600
5	Sikar	11752	4500	5315	20000
6	Churu	51666	10000	8883	17700
7	Alwar	39121	8288	1000	8500
8	Bharatpur	5236	7900	7200	15300
9	Sirohi	22582	5558	8800	12300
10	Jalore	23887	5000	11000	15950
11	Pali	52538	7923	3390	18515
12	Kota	48903	15000	5500	15500
13	Jhalawarh	41942	5853	10000	5750
14	Bara	29608	20000	1200	6000
15	Swaimadhopur	19880	3000	5000	20000
	TOTAL	28105.00	8073.00	6009.00	14296.00

इस टेबल के अनुसार किसान प्रति हैक्टर प्रति वर्ष औसत रू. 7600/- कृषि से तथा प्रति पशु रू. 1350/- कमा रहे हैं। एक प्रमुख बिन्दु किसानों के स्तर पर आमदनी के अन्य स्रोतों के विकास का है। अब किसानों की प्रति व्यक्ति प्रति वर्ष आय रू. 7632 प्रतिवर्ष में रू. 1931 यानि 25 प्रतिशत से अधिक अन्य स्रोतों से आ रही है। एग्रो फोरेस्ट्री एवं होर्टीकल्चर का भी योगदान महत्वपूर्ण हो गया है।

RESEARCH AND TRAINING PROGRAMME IN
ORGANIC FOOD MARKETING-2001

TABLE-3
NUTTING PATTERN OF PARTICIPANTS (FARMERS) DURING
RESEARCH AND TRAINING WORKSHOPS

S. No.	Districts	Number of Farmers Covered	Number of Farmers Cultivating Cereal Crops	Number of Farmers Cultivating Pulses Crops	Number of Farmers Cultivating Oilseeds	Number of Farmers cultivating Spices	Number of Farmers Cultivating Horticulture
1	Udaipur	44	42	17	13	13	20
2	Rajsamand	26	26	09	6	-	08
3	Chittorgarh	28	28	10	21	07	08
4	Jhunjhunu	71	66	53	35	07	06
5	Sikar	44	42	28	15	-	11
6	Churu	24	21	06	-	-	05
7	Alwar	76	74	43	47	06	28
8	Bharatpur	33	33	08	33	01	12
9	Sirohi	63	55	19	38	08	32
10	Jalore	42	38	19	20	25	03
11	Pali	29	26	14	19	03	03
12	Kota	121	104	77	109	43	09
13	Jhalawarh	79	72	68	68	21	01
14	Bara	51	44	25	37	25	-
15	Swaimadhapur	48	44	22	25	02	06
	TOTAL	779	715	418	486	161	152

इस टेबल से एक बहुत महत्वपूर्ण जानकारी मिलती है। कई लोगों का ख्याल है कि हमारे यहां मोनो क्रोपिंग या सीमित फसल चक्र बड़े पैमाने पर अपना लिया गया है। लेकिन इस टेबल से ज्ञात होता है कि आज भी 20 प्रतिशत किसान हॉर्टीकल्चर, 20 प्रतिशत स्पाइस, 63 प्रतिशत तिलहन 54 प्रतिशत दलहन एवं 92 प्रतिशत अनाज की फसलें ले रहे हैं। अनेक प्रकार की फसलों की खेती करने वाले कृषक आसानी से ओर्गेनिक खेती अपनाने में सफल होंगे।

RESEARCH AND TRAINING PROGRAMME IN
ORGANIC FOOD MARKETING-2001

TABLE-4-A

MAIN PROBLEMS (IN PRIORITY ORDER BY MAJORITY)
ENCOUNTERED BY PARTICIPANTS (FARMERS) IN PRESENT
AGRICULTURE

S. No.	Districts	Non-Availability of FYM	Decreasing Soil Fertility	Reducing Production	Insufficient Irrigation Water
1	Udaipur	27	34	31	29
2	Rajsamand	16	17	19	18
3	Chittorgarh	16	15	16	20
4	Jhunjhunu	47	55	54	50
5	Sikar	33	35	32	30
6	Churu	15	15	13	14
7	Alwar	51	53	53	47
8	Bharatpur	05	06	05	05
9	Sirohi	55	59	60	50
10	Jalore	19	13	20	14
11	Pali	25	26	27	26
12	Kota	67	67	67	72
13	Jhalawarh	19	21	22	21
14	Bara	28	24	26	32
15	Swaimadhampur	22	24	21	25
	TOTAL	471	464	463	453

RESEARCH AND TRAINING PROGRAMME IN
ORGANIC FOOD MARKETING-2001

TABLE-4-B

MAIN PROBLEMS (IN PRIORITY ORDER BY MAJORITY) ENCOUNTERED
BY PARTICIPANTS (FARMERS) IN PRESENT AGRICULTURE

S. No.	Districts	Increasing Expenditure on Chemical Fertilizers	Lack of Technical Know-How	Non-Remunerative Prices of Agriculture Commodities	Increasing Cost of Agricultural Inputs
1	Udaipur	36	25	25	22
2	Rajsamand	16	18	11	14
3	Chittorgarh	18	22	12	09
4	Jhunjhunu	50	52	53	44
5	Sikar	30	35	32	30
6	Churu	15	12	14	13
7	Alwar	59	54	47	43
8	Bharatpur	05	04	04	04
9	Sirohi	59	44	52	46
10	Jalore	19	06	11	16
11	Pali	24	26	25	25
12	Kota	70	61	63	50
13	Jhalawarh	21	11	17	15
14	Bara	26	29	15	25
15	Swaimadhampur	24	20	11	05
	TOTAL	442	419	392	356

RESEARCH AND TRAINING PROGRAMME IN
ORGANIC FOOD MARKETING-2001

TABLE-4-C

MAIN PROBLEMS (IN PRIORITY ORDER BY MAJORITY) ENCOUNTERED
BY PARTICIPANTS (FARMERS) IN PRESENT AGRICULTURE

S. No.	Districts	Lack of Skill Labours	Non-Availability of Correct Information About New Crops	Decreasing Quality of Crop Output
1	Udaipur	25	18	18
2	Rajsamand	16	08	17
3	Chittorgarh	17	14	09
4	Jhunjhunu	28	55	44
5	Sikar	27	30	29
6	Churu	16	13	14
7	Alwar	31	45	44
8	Bharatpur	04	04	04
9	Sirohi	42	42	53
10	Jalore	03	07	07
11	Pali	20	27	26
12	Kota	65	43	50
13	Jhalawarh	13	05	12
14	Bara	23	24	21
15	Swaimadhopur	05	06	06
	TOTAL	335	341	294

टेबल 4 A, B & c: 60 प्रतिशत से अधिक किसानों के अनुसार खेती की प्रमुख समस्याओं में देशी खाद की अनुपलब्धता, जमीन की उर्वराशक्ति में कमी, उत्पादन में कमी एवं सिंचाई के सीमित साधन बताये गये हैं। 46 प्रतिशत से अधिक किसानों ने रसायनों की लागत में बढ़ोतरी, तकनीकी ज्ञान का अभाव, उपज का उचित दाम न मिलना तथा खेती के सभी आदानों की लागत में बढ़ोतरी को महत्वपूर्ण समस्या माना है। 38 प्रतिशत से अधिक किसानों द्वारा कुशल मजदूरों की कमी, सही सूचना का अभाव एवं फसलों की गुणवत्ता में कमी को समस्या माना गया है।

RESEARCH AND TRAINING PROGRAMME IN
ORGANIC FOOD MARKETING-2001

TABLE-5

RESPONSE (WILLINGNESS TO JOIN TO CHEMICAL FREE FARMING
PROGRAMME BY PARTICIPANTS (FARMERS))

S. No.	Districts	Total Number of Farmers	Total Number of Farmers Willing to Join Chemical Free Farming Programme	Total Number of Farmers Not Willing to Join Chemical Free Farming Programme	Total Number of Farmers Yet Undecided
1	Udaipur	44	44	-	-
2	Rajsamand	26	26	-	-
3	Chittorgarh	28	28	-	-
4	Jhunjhunu	71	71	-	-
5	Sikar	44	44	-	-
6	Churu	24	24	-	-
7	Alwar	76	75	-	01
8	Bharatpur	33	33	-	-
9	Sirohi	63	62	01	-
10	Jalore	42	38	04	-
11	Pali	29	29	-	-
12	Kota	121	121	-	-
13	Jhalawarh	79	75	03	01
14	Bara	51	51	-	-
15	Swaimadhapur	48	48	-	-
	TOTAL	779	769	08	02

इस टेबल के अनुसार 98.7 प्रतिशत किसानों ने ओर्गेनिक फार्मिंग के कार्यक्रम में शामिल होने की इच्छा जताई है। यह हमारे लिये बहुत महत्वपूर्ण है कि एक नया कार्यक्रम अब पर्णतया लाभ लेने वालों की इच्छा और आवश्यकता के अनुसार प्रारम्भ किया जा सकेगा।

RESEARCHILAND TRAINING PROGRAMME IN
ORGANIC FOOD MARKETING-2001

TABLE-6-A

USE OF CHEMICAL FERTILIZERS REPORTED BY PARTICIPANTS
(FARMERS)

S. No	Districts	Since Last Number of Years in Percentages			
		5 years	10 years	15 years	20 years
1	Udaipur	9%	29.5%	27.2%	25%
2	Rajsamand	4%	4%	56%	36%
3	Chittorgarh	12%	12%	40%	28%
4	Jhunjhunu	14.8%	37%	35.1%	14.8%
5	Sikar	52.7%	41.6%	-	5.5%
6	Churu	15.7%	17.5%	59.6%	3.5%
7	Alwar	22.7%	35.4%	16.4%	22.7%
8	Bharatpur	23.5%	38.2%	26.4%	17.6%
9	Sirohi	28%	40.3%	22.8%	7%
10	Jalore	2.2%	15.9%	54.5%	27.2%
11	Pali	19.5%	39%	29.2%	14.6%
12	Kota	12.1%	33.3%	26%	29.2%
13	Jhalawarh	30.5%	31.9%	27.7%	12.5%
14	Bara	6.8%	34.4%	13.7%	41.3%
15	Swaimadhampur	51.9%	19.2%	25%	1.9%
	AVERAGE	20.36%	28.61%	32.83%	19.12%

इस अध्ययन में शामिल सभी कृषक रसायनिक खादों के इस्तेमाल का अनुभव रखते हैं। इनमें से करीब 20 प्रतिशत गत 5 वर्षों से रसायनिक उर्वरक काम में ले रहे हैं तो करीब इतने ही लोग इसे 20 वर्षों से इस्तेमाल कर रहे हैं।

RESEARCH AND TRAINING PROGRAMME IN
ORGANIC FOOD MARKETING-2001

TABLE-6-B

USE OF PESTICIDES REPORTED BY PARTICIPANTS (FARMERS)

S. No	Districts	Since Last Number of Years in Percentages			
		5 years	10 years	15 years	20 years
1	Udaipur	13.6%	45.4%	22.7%	6.8%
2	Rajsamand	28%	4%	40%	8%
3	Chittorgarh	20%	40%	16%	12%
4	Jhunjhunu	37%	25.9%	27.7%	9.2%
5	Sikar	55.5%	33.3%	2.7%	8.3%
6	Churu	24.5%	8.7%	57.8%	3.5%
7	Alwar	34.10%	45.5%	8.8%	7.5%
8	Bharatpur	29.4%	44.1%	11.7%	11.7%
9	Sirohi	29.8%	36.8%	24.5%	5.2%
10	Jalore	9%	38.6%	45.4%	6.8%
11	Pali	24.3%	34.1%	19.5%	12.1%
12	Kota	45.5%	17.8%	11.3%	17.8%
13	Jhalawarh	50%	19.4%	19.4%	8.3%
14	Bara	31%	20.6%	10.3%	34.4%
15	Swaimadhampur	61.5%	21.1%	7.6%	1.9%
	AVERAGE	32.88%	29.02%	21.69	10.23%

रसायनिक खाद की तुलना में पेस्टीसाइड का उपयोग थोड़ा कम है। इसका सबसे अधिक यानि 33 प्रतिशत किसानों द्वारा उपयोग गत् 5 वर्षों में प्रारम्भ हुआ है।

RESEARCH ANI) TRAINING PROGRAMME IN
ORGANIC FOOD MARKETING-2001

TABLE-7-A

EFFECT ON QUALITY OF PRODUCTION DUE TO THE USE OF
CHEMICALS IN AGRICULTURE AS REPORTED BY PARTICIPANTS
(FARMERS)

S. No.	Districts	Respondents Agreeing with Deterioration in Quality of Production Due to the Use of Chemicals in Agriculture (In Percentages)
1	Udaipur	93.00
2	Rajsamand	84.00
3	Chittorgarh	84.00
4	Jhunjhunu	96.80
5	Sikar	58.00
6	Churu	84.70
7	Alwar	87.60
8	Bharatpur	86.80
9	Sirohi	93.00
10	Jalore	95.50
11	Pali	81.80
12	Kota	80.90
13	Jhalawarh	83.00
14	Bara	95.40
15	Swaimadhapur	85.90
	AVERAGE	86.02

86 प्रतिशत किसानों का मानना है कि रसायनों के उपयोग से उनकी खेती की उपज की क्वालिटी में कमी आई है। अधिकतर किसानों ने दानों के रंग, रूप, आकार, नाप में भारी अन्तर देखा है। किसानों के लिये यह एक चिन्ता का विषय बन गया है।

RESEARCH AND TRAINING PROGRAMME IN
ORGANIC FOOD MARKETING-2001

TABLE-7-B

EFFECT ON HEALTH DUE TO FOOD PRODUCTS PRODUCED BY THE USE
OF CHEMICALS AS REPORTED BY
PARTICIPANTS (FARMERS)

S. No.	Districts	Respondents Agreeing with Negative Effects on Health of the Consumer from the Food Produced by Using Chemicals in Agriculture (In Percentages)
1	Udaipur	77.00
2	Rajsamand	84.00
3	Chittorgarh	92.00
4	Jhunjhunu	95.30
5	Sikar	77.00
6	Churu	84.70
7	Alwar	91.00
8	Bharatpur	92.00
9	Sirohi	93.00
10	Jalore	97.70
11	Pali	75.00
12	Kota	84.00
13	Jhalawarh	83.00
14	Bara	84.00
15	Swaimadhapur	95.30
	AVERAGE	87.00

87 प्रतिशत किसान रसायनों से उपजे भोजन पदार्थों को खाने से स्वास्थ्य पर विपरीत असर पड़ने की बात से सहमत है। स्वयं उत्पादकों द्वारा यह बात स्वीकार करना अपने आप में एक बहुत बड़ी चैतावनी है।

RESEARCH AND TRAINING PROGRAMME IN
ORGANIC FOOD MARKETING-2001

TABLE-7-C

EFFECT ON QUALITY OF PRODUCTION DUE TO THE USE OF
CONTAMINATED WATER IN AGRICULTURE AS REPORTED BY
PARTICIPANTS (FARMERS)

S. No.	Districts	Respondents Agreeing with Deterioration in Quality of Production Due to the Use of Contaminated Water in Agriculture (In Percentages)
1	Udaipur	93.00
2	Rajsamand	68.00
3	Chittorgarh	80.00
4	Jhunjhunu	89.00
5	Sikar	80.50
6	Churu	91.50
7	Alwar	84.00
8	Bharatpur	86.80
9	Sirohi	96.50
10	Jalore	95.50
11	Pali	77.00
12	Kota	76.00
13	Jhalawarh	83.00
14	Bara	77.20
15	Swaimadhampur	85.90
	AVERAGE	84.26

84 प्रतिशत किसान प्रदुषित जल के उपयोग से भोजन पदार्थों की क्वालिटी खराब होने की बात स्वीकार करते हैं। यह दूसरी बड़ी खतरे की घंटी है।

RESEARCH AND TRAINING PROGRAMME IN
ORGANIC FOOD MARKETING-2001

TABLE-7-D

EFFECT ON FERTILITY OF SOIL DUE TO THE USE OF CHEMICALS IN
AGRICULTURE AS REPORTED BY PARTICIPANTS (FARMERS)

S. No.	Districts	Respondents Agreeing with Reducing Soil Fertility Due to the Use of Chemicals in Agriculture (In Percentages)
1	Udaipur	88.60
2	Rajsamand	84.00
3	Chittorgarh	96.00
4	Jhunjhunu	90.00
5	Sikar	75.00
6	Churu	93.00
7	Alwar	86.40
8	Bharatpur	89.40
9	Sirohi	94.80
10	Jalore	97.70
11	Pali	77.00
12	Kota	81.70
13	Jhalawarh	87.00
14	Bara	88.60
15	Swaimadhampur	95.30
	AVERAGE	88.30

88 प्रतिशत किसानों के अनुसार रसायनों के उपयोग से जमीन की अपनी उपजाऊ क्षमता में कमी आई है। किसानों द्वारा ओर्गेनिक फार्मिंग के विकल्प पर विचार किया जाना, इस बात का पक्का सबूत है।

RESEARCH AND TRAINING PROGRAMME IN
ORGANIC FOOD MARKETING-2001

TABLE-8-A

AWARENESS AND SCOPE OF CHEMICAL FREE FARMING AS REPORTED
BY PARTICIPANTS (FARMERS)

S. No.	Districts	Farmers practicing chemical free farming (in percentages)	Farmers agreeing with the scope of chemical free farming (in percentages)	Farmers confident that chemical free farming will help increase production in agriculture (in percentages)
1	Udaipur	52.27	86.30	68.18
2	Rajsamand	28.00	80.00	36.00
3	Chittorgarh	76.00	80.00	32.00
4	Jhunjhunu	57.80	90.60	39.00
5	Sikar	86.00	89.00	30.50
6	Churu	79.60	47.50	49.00
7	Alwar	55.50	84.00	26.00
8	Bharatpur	63.10	68.40	52.60
9	Sirohi	60.30	91.30	20.70
10	Jalore	88.90	68.90	9.00
11	Pali	81.80	95.50	63.60
12	Kota	53.90	79.40	35.70
13	Jhalawarh	70.00	84.40	28.60
14	Bara	65.00	70.00	56.80
15	Swaimadhopur	42.20	64.00	46.90
	TOTAL	64.00	78.60	39.60

39.60 प्रतिशत किसान आज भी अपने खेत के कुछ भाग में रसायन विहीन खेती कर रहे हैं। उनमें से अधिकतर इस उपज का उपयोग स्वयं अपने लिये करते हैं। क्या यह उपभोक्ताओं के लिये सोचनीय नहीं है? 78.6 प्रतिशत किसान रसायन विहीन खेती की सफलता के प्रति आशान्वित हैं, हालांकि 39.6 प्रतिशत ही यह मानते हैं कि रसायन विहीन खेती से उत्पादन भी बढ़ जायेगा। यह बहुत ही उत्साहजनक स्थिति है।

RESEARCH AND TRAINING PROGRAMME IN
ORGANIC FOOD MARKETING-2001

TABLE-8-B

AWARENESS AND SCOPE OF CHEMICAL FREE FARMING AS REPORTED
BY PARTICIPANTS (FARMERS)

S. No.	Districts	Farmers agreeing with better quality of farm produce due to chemical free farming (in percentages)	Farmers agreeing with higher price (net realization) for better quality farm produce (in percentages)
1	Udaipur	77.27	90.90
2	Rajsamand	60.00	68.00
3	Chittorgarh	72.00	88.00
4	Jhunjhunu	73.40	84.30
5	Sikar	82.30	74.30
6	Churu	89.80	93.20
7	Alwar	76.50	74.00
8	Bharatpur	81.60	94.70
9	Sirohi	93.00	94.80
10	Jalore	66.60	86.60
11	Pali	79.50	86.40
12	Kota	74.60	77.00
13	Jhalawarh	84.40	77.90
14	Bara	84.00	88.00
15	Swaimadhopur	82.80	92.20
	TOTAL	78.50	84.60

78.5 प्रतिशत किसान रसायन विहीन खेती अपनाने पर फसल की क्वालिटी में सधार होने की बात स्वीकार करते हैं और 84.6 प्रतिशत का यह भी मानना है कि अच्छी क्वालिटी की फसल के लिये अधिक दाम मिलेंगे। प्रोड्यूसर का इन बातों से सहमत होना अपने आप में ओर्गेनिक फार्मिंग की शुरुआत करने के लिये अच्छा संकेत है।

RESEARCH AND TRAINING PROGRAMME IN
ORGANIC FOOD MARKETING-2001

TABLE-8-C

AWARENESS AND SCOPE OF CHEMICAL FREE FARMING AS REPORTED
BY PARTICIPANTS (FARMERS)

S. No.	Districts	Farmers willing to take up grading, packing & marketing on their own (in percentages)	Farmers willing to provide quality certification for chemical free farm produce (in percentages)
1	Udaipur	86.30	79.50
2	Rajsamand	40.00	72.00
3	Chittorgarh	56.00	84.00
4	Jhunjhunu	70.30	82.80
5	Sikar	82.30	68.70
6	Churu	91.50	78.00
7	Alwar	58.00	61.70
8	Bharatpur	84.20	76.30
9	Sirohi	93.00	96.50
10	Jalore	86.60	82.20
11	Pali	75.00	65.90
12	Kota	76.20	73.80
13	Jhalawarh	68.80	79.20
14	Bara	88.00	93.00
15	Swaimadhapur	81.20	79.70
	TOTAL	75.80	78.20

केमीकल फ्री/ओर्गेनिक फार्मिंग करने पर फसल की ग्रेडिंग, पैकिंग इत्यादि कार्य किसान स्वयं अपने खेत पर ही करना चाहते हैं। क्वालिटी की गारंटी के लिये किसान सर्टिफिकेशन की प्रक्रिया को अपनाने के लिये भी तैयार हैं।

RESEARCH AND TRAINING PROGRAMME IN
ORGANIC FOOD MARKETING-2001

TABLE-9-A

CERTIFICATION PROCEDURES FOR CHEMICAL FREE FARMING
AS REPORTED BY PARTICIPANTS (FARMERS)

S. No.	Districts	Willingness to maintain complete records for certification (in percentages)	Farmers wanting to certify quality based on records (in percentages)	Farmers wanting to certify quality based on product testing (in percentages)
1	Udaipur	88.63	86.30	75.00
2	Rajsamand	56.00	72.00	72.00
3	Chittorgarh	80.00	84.00	52.00
4	Jhunjhunu	96.80	95.30	96.80
5	Sikar	52.70	66.70	58.30
6	Churu	94.90	84.70	86.40
7	Alwar	88.90	92.40	61.70
8	Bharatpur	81.60	68.40	63.20
9	Sirohi	94.80	94.80	93.10
10	Jalore	97.70	100.00	97.70
11	Pali	56.80	59.00	59.00
12	Kota	84.90	81.70	84.90
13	Jhalawar	72.70	72.70	77.90
14	Bara	90.90	88.60	75.00
15	Swaimadhopur	84.30	84.30	82.00
	TOTAL	81.44	82.06	75.66

81.44 प्रतिशत किसान सर्टिफिकेशन के लिये आवश्यक रिकार्ड रखने को तैयार है। 82 प्रतिशत का मानना है कि रिकार्ड के आधार पर सर्टिफिकेशन क्वालिटी की पूरी गारंटी दे सकता है। 76 प्रतिशत अन्तिम उपज की जांच के आधार पर सर्टिफिकेशन को भी उचित मानते हैं।

RESEARCH AND TRAINING PROGRAMME IN
ORGANIC FOOD MARKETING-2001

TABLE-9-B

CERTIFICATION PROCEDURES FOR CHEMICAL FREE FARMING
AS REPORTED BY PARTICIPANTS (FARMERS)

S. No.	Districts	Preference for Certifying Agency by Respondents			
		Certification by farmers themselves	Certification by traders in mandi	Certification by government agency	Certification by other agencies
1	Udaipur	27	-	6	1
2	Rajsamand	7	-	8	6
3	Chittorgarh	8	.	3	3
4	Jhunjhunu	13	2	25	17
5	Sikar	-	-	9	9
6	Churu	11	-	11	5
7	Alwar	39	-	34	10
8	Bharatpur	10	-	6	2
9	Sirohi	17	8	20	5
10	Jalore	15	-	13	4
11	Pali	15	-	12	-
12	Kota	36	1	37	13
13	Jhalawar	10	4	34	3
14	Bara	6	1	27	2
15	Swaimadhopur	17	-	38	-
	TOTAL(No.)	231	16	283	80
	TOTAL (%)	37.80%	0.02%	39.00%	0.13%

Note: In above table the response has been given in numbers for individual districts and for total fifteen districts also given in percentage.

सर्टिफिकेशन के लिये किसानों के अनुसार या तो स्वयं उन्हें जिम्मेदार बनाया जाये अथवा सरकार यह जिम्मेदारी ले सकती है। बाजार या अन्य संस्थाओं के प्रमाणीकरण को बहुत कम लोगों ने स्वीकार किया है। इससे एक बात तो स्पष्ट है कि सर्टिफिकेशन की किसी भी प्रस्तावित प्रक्रिया में किसानों एवं सरकार का शामिल होना जरूरी है।

1. जैविक खेती प्रोत्साहन कार्यक्रम -

राज्य में जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिये वर्ष 2011-12 से जैविक खेती प्रोत्साहन कार्यक्रम आर.ए.डी.पी., आर.के.वी.वाई एवं राज्य योजना के अन्तर्गत लिया जा रहा है। जिसमें जैविक खेती करने वाले कृषकों को 8000 रुपये प्रति कृषक प्रति हैक्टर की दर से

सहायता अनुदान स्वरूप दिये जाने का प्रावधान किया गया है (जिसके अन्तर्गत 2000 रूपये खरीफ में, 3000 रूपये रबी फसल हेतु तथा 3000 पंजीकरण एवं प्रमाणीकरण हेतु देय है)। वर्ष 2013-14 में आयोजित किये जा रहे कार्यक्रमों का विवरण निम्न प्रकार है

(अ) वर्षा आधारित क्षेत्र विकास कार्यक्रम (आर.ए.डी.पी.):-

इस कार्यक्रम के अन्तर्गत अजमेर, टोंक, बाड़मेर एवं पाली जिले में (प्रत्येक जिले में 400 हैक्टर) कुल 1600 हैक्टर के अन्तर्गत जैविक खेती प्रोत्साहन कार्यक्रम लिया गया है। जिसके अन्तर्गत व्यय जैविक उत्पादन प्रमाणीकरण संस्था द्वारा निरीक्षण के उपरान्त मूल्यांकन रिपोर्ट जारी करने के बाद किया जायेगा।

(ब) राष्ट्रीय कृषि विकास योजना (आर.के.वी.वाई) :-

इसके अन्तर्गत जोधपुर, नागौर, बीकानेर एवं सीकर जिले में प्रत्येक में 500 हैक्टर, चूरू में 200 हैक्टर एवं झुंझुनूं में 300 हैक्टर कुल 2500 हैक्टर में जैविक खेती प्रोत्साहन कार्यक्रम एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम लिया गया है। जिसके अन्तर्गत व्यय जैविक उत्पादन प्रमाणीकरण संस्था द्वारा निरीक्षण के उपरान्त मूल्यांकन रिपोर्ट जारी करने बाद किया जायेगा।

(स) राज्य योजना के अन्तर्गत 1000 हैक्टर क्षेत्रफल में अलवर, चित्तौड़गढ़, भीलवाड़ा, सिरोही एवं झालावाड़ जिलों में प्रत्येक में 200 हैक्टर में लिया जा रहा है। जिसके अन्तर्गत व्यय जैविक उत्पादन प्रमाणीकरण संस्था द्वारा निरीक्षण के उपरान्त मूल्यांकन रिपोर्ट जारी करने के बाद किया जायेगा।

2. फार्मस फील्ड स्कूल आधारित जैविक खेती प्रदर्शन कार्यक्रम :

वर्ष 2013-14 में इस कार्यक्रम के अन्तर्गत 16 जिलों (अजमेर, दौसा, जयपुर, भीलवाड़ा, चित्तौड़गढ़, अलवर, भरतपुर, बाँसवाड़ा, उदयपुर, डूंगरपुर, कोटा, झालावाड़, बूंदी, बारां, सीकर एवं झुंझुनूं) में खरीफ 2013 के अन्तर्गत 400 तथा रबी 2013-14 के अन्तर्गत 400 कुल 800 प्रदर्शनों का आयोजन किया गया है। इसके लिए राशि रूपये 22.00 लाख का प्रावधान किया गया है। जिसके अन्तर्गत 0.4 हैक्टर प्रदर्शन हेतु जैविक आदान का 50 प्रतिशत अथवा रूपये 2000 जो भी कम हो, अनुदान स्वरूप देय है। माह दिसम्बर, 2013 तक राशि रु. 7.28 लाख का व्यय किया जा चुका है।

जैविक खेती कार्यक्रम की वर्ष 2011-12 से 2013-14 (दिसम्बर, 2013 तक) की प्रगति का विवरण निम्न प्रकार है:

क्र. सं.	कार्यक्रम का नाम	2011-12 (प्रगति)		2012-13 (प्रगति)		2013-14 (लक्ष्य)		दिसम्बर, 2013 तक प्रगति	
		भौतिक (संख्या)	वित्तीय (लाख रु)	भौतिक (संख्या)	वित्तीय (लाख रु)	भौतिक (संख्या)	वित्तीय (लाख रु)	भौतिक (संख्या)	वित्तीय (लाख रु)
1	जैविक खेती प्रोत्साहन कार्यक्रम	4278 (है.)	273.40	4300 (है.)	153.85	5100	408	5100	92.44
2	एफ.एफ. एस. आधारित जैविक खेती प्रदर्शन	260	4.58	785	14.09	800	22.0	800	7.28

Rajasthan Organic Certification Agency, Jaipur
List of Registered Operators as on 01-01-2015
(Individual) Registration Date Wise

SN	Name of Operators	Address	Date of Registration	Date of Scope	Area (Ha.)	Contact No
1	Shri Laxman Ram Bajia	Lakhani(Sikar)-332409	21/04/2006	10/07/2014	5.28	9269983074
2	Shri. Mannalal Yadav	Pachar,Jaipur-303706	19/03/2007	20/09/2014	2.4	9828446239
3	Dy. Director AGRI, ATC	Tabji (Ajmer)-305001	24/03/2007	24/05/2014	2.0	0145-2440652
4	Dy Director AGRI, ATC	Sumerpur (Pali)-306902	10/04/2007	10/04/2014	2.0	02933-258734
5	Shri. Hukam Chand Patidar	Manpura, Jhalawar-326021	23/05/2007	25/03/2014	10.0	9413102253
6	Dy Director AGRI, ATC	Chittorgah	03/09/2007	06/08/2014	2.0	01472-241319
7	Dy Director AGRI, ATC, Bundi	Chhatrapura (Bundi)-323603	05/05/2008	05/05/2014	2.0	07472-442368
8	Director CAZRI ICAR	Jodhpur	18/08/2008	09/08/2014	2.0	0291-2786584 9414172436
9	Shri Ranjeet Solat	Rampura Dabri (Jaipur)-303704	09/02/2009	09/08/2014	2.68	9829470577
10	Dy Director AGRI ATC	Milakpur(Bharatpur)-321302	24/02/2011	13/05/2014	2.0	9414646373 01564-8211030
11	Dy Director AGRI ATC	Lunkaransar (Bikaner)-334603	10/05/2011	01/06/2014	2.0	01528-211121
12	Dalawat Krishi Farm	C/o Sh. Nain Singh Dalawat, Bhitwara, Bali, Pali	13/03/2012	27/04/2014	2.0	9828171276 02938-286188
13	Shri. Deendayal Nagar	Basthuni, (Baran)	19/12/2012	14/02/2014	14.4	9001741677
14	Sh. Teeka Ram S/o Laxmi Narayan Pathak	Peedawali Bharatpur.	11/03/2013	26/08/2014	2.0	9887593020
15	Shri Om Prakesh Nagar	Bambori Ataru (Bara)	15/03/2013	25/08/2014	3.6	9829933567
16	Ratan Lal S/o Mahadev Bhugaliya	Punnana, Jaipur	08/04/2013	11/09/2014	1.4	9928092116 9828220900
17	Sangam javik Farm Nangal Sherpur		03/09/2013	17/12/2014		
18	Shekhawati Krishi Farm and Udyaan Nursery	Vill. Beri Bhajangarh, Sikar	14/10/2013	18/10/2014	1.0	9413702382
19	Jagdish Babu Patidar S/o Om Prakash Patidar	Junakheda, Jhalawar	21/10/2013	10/12/2014		
20	Shri Vijay Lal S/O Shri Pokhar Mal	Village Sarna Choud, Jhotwara, Jaipur	11/11/2013	11/12/2014	1.6	9887183109
21	Sh. Kamlesh Patidar S/O Babulal Patidar	B-8, New Master Colony, Khanpur Road Jhalawar	13/12/2013	23/01/2014	2.4	9829194448
22	Sh. Satya Prakash S/O Kishan Gopal Nagar	Vill. & Post Bamori, Teh. Atru Baran	13/12/2013	22/01/2014	4.0	9784367633
23	Shanti Falodhyan Vatika Sh. Narain Dutt S/O Ramkunwar	Teh. Umrain, Alwar	24/12/2013	18/03/2014	7.2	9352200105
24	Shri Krishan Lal Poonia S/o Sh. Khiraj Ram Poonia	IEE, Sanvatsar, Padampur, Sri Gangangar 335041	03/03/2014	30/06/2014	6.0	9505277019
25	Paropkar Organics Farm Sh. Ganpat Singh Rathore S/o Sh. Hari Singh Rathore	Vill. Ranisar, Phalodi, Jodhpur	03/03/2014	15/05/2014	4.8	8239803100
26	Sh. Keshar Singh C/O Takhat Singh Chauhan	Vill.- Arnia Chauhan Teh. Phoolia Kalan -311023 Distt. Bhitwara	21/03/2014	24/04/2014	2.5	9001460870
27	Sh. Dhandev Krishi Farm C/O Dhandev Resorts	Barmer Road, Jaisalmer -345001	16/04/2014	28/05/2014	115	9602712512 9414334272

28	Vasudev Jaivik Krishi Farm Gardankheri, Peedawa, Jhalawar	Gardankheri, Peedawa, Jhalawar	10/06/2014	24/07/2014	9.3	9571618521
29	Sahu Jaivik Krishi Farm House, C/O Prabhu Lal Sahu	Vill.- Saredi, Manoharthana Distt. Jhalawar	31/07/2014	31/07/2014	5.38	9983620763
30	Sh. Kewal Chand S/o Sh. Ram Narayan	VILLAGE - ANANDA, TEHSIL - ASNAWAR, DISTT. JHALAWAR,	06/08/2014	28/09/2014	4.0	9414569468
31	Sh. Bajrang Singh	VILL. KHARPA KALAN, PANCHAYAT SAMITI- SUNAIL, DISTRICT- JHALAWAR	26/08/2014	26/08/2014	3.4	9828943536
32	Sh. Dwarka Prasad Patidar	Vill - Donda, Jhalrapatan, Jhalawar.	12/09/2014	12/09/2014	2.71	9460146568
33	Sh. Gurukripa Krishi Farm	B-125, Nityanand Nagar, Gandhi Path, Queens Road, Jaipur Rajasthan 302021.	03/11/2014	03/11/2014	9.28	9413374567
34	Vinod Kumar S/o Badrilal	Vill. Junakhera, Teh- Jhalrapatan, Distt. Jhalawar, Rajasthan 326021	19/11/2014	19/11/2014	3.77	9462652611
35	Shri Ramdev Jaivik Farm Durga Lal Kumbhar	Phalodi, Jodhpur	02/01/2015	02/01/2015	5.69	9251277610
Total					291.18	ha.

Grower Group

SN	Name of Operators	Address	Date of Registration	Area (Ha.)	Contact No
1	Gigasar Organic Grower Group (RKVY), Bikaner		11/01/2012	100.00	
2	Jhadelee Organic Grower Group (RKVY) Bikaner		11/01/2012	100.00	
3	Mundsar Organic Grower Group (RKVY) Bikaner		11/01/2012	100.00	
4	Jhunjunu Organic Grower Group (RKVY) Jhunjunu		11/01/2012	300.00	
5	Gaje Singh Nagar Organic Grower Group		06/02/2012	100.00	
6	Palasani Organic Grower Group (RKVY)		06/02/2012	400.00	
7	Barmer Organic Grower Group (RADP), Barmer		09/02/2012	200.00	
8	Sirohi Organic Grower Group RKVY		19/09/2013	200.00	
9	Alwar Organic Grower Group (RADP)		20/11/2013	200.00	
10	Udaipur Organic Grower Group 1		30/10/2014	100.00	
11	Dungarpur Organic Grower Group (RKVY)		18/12/2014	100.00	
12	Banswara Organic Grower Group		30/01/2015	75.00	
13	Udaipur Organic Grower Group		30/01/2015	100.00	
14	Baran Organic Grower Group		30/01/2015	200.00	
15	Pratapgarh Organic Grower Group		04/02/2015	150.00	

सन्दर्भग्रन्थाः

1. हुसैन माजिद 2004 कृषि भूगोल , रावत पब्लिकेशन्स , जयपुर ।
2. जुल्का , जे.एम. 1993 डिस्ट्रीब्यूशन पेटर्न इन इन्डियन अर्थवर्षे , जुलोजीकल सर्वे ऑफ इण्डिया , सोलन ।
3. कलवार , सुगनचन्द खण्डेलवान , कैलाशचन्द अग्रवाल , गजेन्द्र कुमार 1996 पर्यावरण व परती भूमि । पोईन्टर पब्लिसर्स जयपुर (राजस्थान)
4. लोढा , बी.के 2002 कृषि के बदलते स्वरूप
5. मसीह , मुकुल रानी 2006 प्रोम -टिकाउ खेती के लिए उपयोगी खाद साहित्य पब्लिकेशन , उदयपुर
6. महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रोद्योगिकी विश्वविद्यालय उदयपुर 2001 वर्मी कम्पोस्ट एवं जैविक खेती राजस्थान में ।
7. मोटसरा , एम.आर. 2001 आयुक्त कृषि मंत्रालय
8. मेहरोत्रा , वी.एस. 1997 वर्मीकल्चर मेन्युअल , राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद , नई दिल्ली
9. मीना , बी.एस. कुमावत पी.डी 1999 वर्मी कम्पोस्ट / जैविक खेती
10. पारीक , रूपा 1999 एम.पी.ए.टी.यू. उदयपुर
11. परौदा , राजेन्द्र सिंह 1998 भारतीय कृषि का अनुनिक रूप